नोटबंदी के नौ साल बाद साढ़े तीन करोड़ रुपए बदलने से हाईकोर्ट का इनकार

राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने रिपोर्टेबल जजमेंट में 500 और 1000 रुपए के पुराने नोटों को बदलने या जमा करने की अनुमति देने से इनकार किया, याचिकाएं खारिज की

जोधपुर, (कासं)। नोटबंदी के नौ साल बाद साढ़े तीन करोड़ रुपए के पुराने नोट बदलने से कोर्ट ने इनकार कर दिया है। राजस्थान हाईकोर्ट अपने रिपोर्टेबल जजमेंट में 500 और 1000 रुपए के पुराने नोटों को बदलने या जमा करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। ये नोट अब रद्दी हो गए हैं।

बाड़मेर जिले की दुधु ग्राम सेवा सहकारी समिति ने 16 लाख रुपए के 500 और 1000 रुपए के पुराने नोट बदलने के लिए मार्च 2017 में याचिका लगाई थी। इसके अलावा बाद में 6 प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों (पैक्स) ने भी अपने पुरानी करेंसी के करीब साढ़े तीन करोड़ रुपए बदलने के लिए अलग-अलग याचिका लगा दी थी। जस्टिस डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और जस्टिस अनुरूप सिंघी की डिवीजन बेंच ने दुधु ग्राम सेवा सहकारी समिति सहित 7 याचिकाओं को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि आर्थिक नीतियों में न्यायिक हस्तक्षेप की गुंजाइश बहुत सीमित है। आरबीआई द्वारा जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों पर लगाई गई रोक जनहित में लिया गया सही फैसला था। कोर्ट ने फैसले में लिखा कि महज कठिनाई या असुविधा, चाहे वह कितनी ही वास्तविक क्यों न हो। किसी वैध आर्थिक उद्देश्य को पूरा करने के लिए उठाए गए नियामक उपायों को अवैध ठहराने का आधार नहीं हो सकती।

- **हाईकोर्ट ने दुधु ग्राम सेवा सहकारी समिति, बामनोर, बिसारनिया, खुडाला, पुरावा, भीमथल और मंगता ग्राम सेवा सहकारी समितियों की सभी याचिकाएं खारिज की**

16 लाख से ज्यादा की पुरानी करेंसी :- बाड़मेर जिले की दुधु ग्राम सेवा सहकारी समिति ने याचिका में बताया था कि 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी की घोषणा के समय उनके पास 16 लाख 17 हजार 500 रुपए (500 और 1000 के नोट) की नकदी मौजूद थी। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि ये पैसा किसानों और आम लोगों का है, जो वैध तरीके से समिति के पास आया था लेकिन आरबीआई ने 14 और 17 नवंबर 2016 को सर्कुलर जारी कर जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों को पुराने नोट स्वीकार करने से रोक दिया। वकील ने कहा कि एक ही तरह की अन्य सोसायटियों ने नोट जमा करवा दिए, लेकिन याचिकाकर्ता को अनुमति न देना भेदभावपूर्ण है। इस समिति के अलावा बामनोर, बिसरणिया, खुडाला, पुरावा, भीमथल और मंगता ग्राम सेवा सहकारी समितियां प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसायटी के रूप में जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के जरिए काम करने वाली समितियों ने भी अपने साढ़े तीन करोड़ रुपए के पुराने नोट बदलने के लिए याचिकाएं दायर की थी। इनकी मांग थी कि 14 और 17 नवंबर 2016 के आरबीआई सर्कुलर को अवैध और आरबीआई एक्ट-1934 की धारा 26 (2) के खिलाफ घोषित कर रद्द किया जाए, ताकि ये समितियां अपने पुराने नोट जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के माध्यम से जमा करा सकें, या नाबार्ड को नोटों की जांच कर वैधानिक निपटान करने का निर्देश दिया जाए।

कोर्ट ने पाया कि आरबीआई के सर्कुलर मनमाने नहीं थे, बल्कि वित्तीय अखंडता सुनिश्चित करने के लिए जारी किए गए थे। कोर्ट ने कहा कि नाबार्ड की भूमिका केवल पर्यवेक्षी है। वह आरबीआई के बाध्यकारी निर्देशों के खिलाफ जाकर नोटों की जांच या निपटान की अनुमति नहीं दे सकता। इन तर्कों के आधार पर कोर्ट ने दुधु ग्राम सेवा सहकारी समिति, बामनोर, बिसारनिया, खुडाला, पुरावा, भीमथल और मंगता ग्राम सेवा सहकारी समितियों की सभी याचिकाएं खारिज कर दी।

बिलेठा में अवैध खनन और क्रेशर को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

भीलवाड़ा, (निसं)। ग्राम पंचायत बिलेठा के ग्रामीणों ने खनिज विभाग भीलवाड़ा द्वारा जारी माइनिंग लीज 39/2004 को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई हैं।

ग्रामीणों ने मीडिया को बताया और आरोप लगाया कि मैसर्स अर्विन एग्रीगेटर के नाम से जारी यह लीज तथ्यों को छुपाकर और अधिकारियों से मिलीभगत कर हासिल की गई है। यह लीज पटवार हल्का बिलेठा की आराजियों पर दी गई है, जबकि लीज क्षेत्र के आसपास घनी आबादी, स्कूल, खेलकूद का मैदान, वन विभाग की भूमि तथा कृषि भूमि की सिंचाई व पेयजल का प्रमुख स्त्रोत तालाब स्थित है। इसके बावजूद नियमों की अनदेखी कर लीज स्वीकृत की गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि फर्म द्वारा लीज क्षेत्र के अतिरिक्त आसपास की कृषि भूमि पर भी अवैध रूप से खनन करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए किसानों पर दबाव बनाकर उनकी भूमि जबरन कब्जाने या औने-पौने दामों पर खरीदने का प्रयास किया जा रहा है। विरोध करने पर ग्रामीणों को डराने-धमकाने के आरोप भी लगाए गए हैं। और सबसे गंभीर बात यह है कि मार्बल खनन के लिए ली गई लीज पर अवैध रूप से गिट्टी क्रेशर स्थापित किया जा रहा है। इससे क्षेत्र में उड़ने वाली धूल से ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, श्वास संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ेगा और आसपास की उपजाऊ कृषि भूमि बंजर होने की आशंका है। इससे ग्रामवासियों को आर्थिक और स्वास्थ्य दोनों स्तर पर भारी नुकसान होगा।

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि लीज क्षेत्र के पास ही उनकी धार्मिक आस्था का केंद्र स्थित है, जहां कई परिवार निवास करते हैं। खनन और क्रेशर संचालन से इस धार्मिक स्थल को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। यदि हालात ऐसे ही रहे तो ग्रामीणों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। नियमों के अनुसार आवश्यक होने के बावजूद ग्राम पंचायत बिलेठा से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त नहीं की गई, फिर भी खनिज विभाग भीलवाड़ा ने माइनिंग लीज जारी कर दी। इस माइनिंग लीज को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए, अन्यथा उन्हें मजबूरन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

युवक पर चाकू से हमला

डूंगरपुर, (निसं)। सरोदा थाना इलाके के सरोदा गांव में रविवार रात को चाकूबाजी की घटना हुई। बाइक पर आए 2 बदमाशों ने युवक की बाइक रोककर चाकू से हमला कर दिया। जिससे युवक पर चाकू के 2 वार सीने और एक पेट पर लगा। वहीं बचाव में आए दोस्त की भी अंगुलियां कट गई। हमले के बाद दोनों बदमाश भाग गए। जिनको बाद में पुलिस ने पकड़ लिया। वही गंभीर घायल युवक को सागवाड़ा से अहमदाबाद अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। सरोदा गांव में चाकूबाजी की घटना हुई। सरोदा निवासी चिरायु पंचाल पुत्र प्रकाश पंचाल और उसका दोस्त नकुल सेवक दोनों ही खेतों की तरफ गए थे। रात को दोनों खेतों से वापस अपने घर बाइक लेकर लौट रहे थे। इस दौरान सरोदा नीलकंठ मोड के पास बाइक पर 2 बदमाश आए। बदमाशों ने ओवरटेक करते हुए बाइक उनके आगे खडी कर दी। इसके बाद बदमाशों ने गाली गलौज करते हुए चाकू से हमला कर दिया।

मारुति सुज़ुकी प्री-ओन्ड कार्निवल से ग्राहकों में उत्साह

कोटा। मारुति सुज़ुकी ट्रू वैल्यू द्वारा कोटा में आयोजित प्री-ओन्ड कार कार्निवल शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान 200 से अधिक ग्राहकों ने भाग लिया और विभिन्न कारों का टेस्ट ड्राइव किया। कार्यक्रम में फैमिली गेम्स और मनोरंजक गतिविधियों के कारण अच्छा फुटफॉल देखने को मिला। भाटिया एंड कंपनी एवं स्वालका मोटर्स द्वारा 100 से अधिक क्वालिटी सर्टिफाइड प्री-ओन्ड कारों को प्रदर्शित किया गया, जिन पर 1 वर्ष अथवा 15 हजार किमी. वारंटी एवं 3 फ्री सर्विस की सुविधा दी गई। ग्राहकों के उत्साह को देखते हुए इस कार्निवल को 21 दिसंबर को भी जारी रखा गया। ज्ञात रहे कि वर्तमान में देशभर में 60 लाख से अधिक ग्राहक मारुति सुज़ुकी ट्रू वैल्यू से जुड़े चुके है।

तंत्र-मंत्र के नाम पर 10 लाख की ठगी, एमपी से आरोपी गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। जिले की मेहाड़ा पुलिस ने भूत-प्रेत का साया बताकर तंत्र-मंत्र के नाम पर ठगी करने वाले फर्जी बंगाली बाबा को गिरफ्तार किया है। यह बाबा बंगाल का नहीं, बल्कि हरियाणा का निकला, जिसके पीछे जब पुलिस पड़ी तो मेहाड़ा पुलिस को मध्यप्रदेश के एक मंदिर में मिला।

सीआई राममनोहर ने बताया कि सिहोड़ निवासी राजेश सोनी 28 अक्टूबर को रिपोर्ट दी थी कि उसके घर पर एक व्यक्ति बर्तन बेचने के बहाने आया था, जिसने उसके बड़े भाई नरहरि को देखा और कहा कि इस पर भूत-प्रेत का साया है। इसे दूर करने के लिए उसके पास एक महाराज हैं, जो बंगाल में रहते हैं, जिससे नरहरि एकदम ठीक हो जाएगा। राजेश सोनी उसकी बातों में आ गया। जिसके बाद बंगाली बाबा के नाम से महाराज शिवकांत शर्मा आया। उसने बताया कि पूरे घर पर तांत्रिक क्रिया की हुई है। इसके लिए अनुष्ठान आदि करना पड़ेगा। करीब चार-पांच महीनों तक तंत्र मंत्र से बंगाली बाबा शिवकांत शर्मा ने अनिष्ट की आशंका दिखाकर उससे और उसके रिश्तेदारों से करीब 10 लाख 10 हजार 840 रूपए ठग लिए।

- **भूत-प्रेत का साया बताकर तंत्र-मंत्र के नाम पर 10 लाख की ठगी की थी**

पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया तो इस बंगाली बाबा की तलाश में पुलिस ने हरियाणा के निजामपुर, नांगल चौधरी, पावटा, शाहपुरा, कोटपुतली, दौसा, लालसोट, सवाई माधोपुर, शिवपुरी, बधवास, कोलसर, खरोरा, अशोकनगर आदि जगहों पर तलाश की, लेकिन अंत में आरोपी मध्यप्रदेश के अशोक नगर जिले के मौजा पिपराही गांव में स्थित एक बालाजी मंदिर में मिला, जिससे लाकर पूछताछ की गई। बाद पूछताछ गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी बंगाली का होने की बजाय हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के निजामपुर थाना इलाके का मुसनोता निवासी 43 वर्षीय शिवकांत शर्मा पुत्र मातादीन ब्राहमण निकला, जिसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। आरोपी को पकड़ने में मेहाड़ा थाने के एएसआई भोमाराम, कांस्टेबल रणधीर, महिला कांस्टेबल उषा ने सीआई राममनोहर के निर्देशन में कार्य किया।

सीआई राममनोहर ने बताया कि आरोपी ने ना केवल सिहोड़ गांव में, बल्कि कई जगहों पर तंत्र मंत्र के नाम ठगी की वारदातें की है। झुंझुनूं जिले के पिलानी क्षेत्र में भी दो वारदातें सामने आई है। जिनके बारे में भी पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा अन्य राज्यों में भी इसकी सूचना दी गई है। आरोपी अपने गांव कई सालों से नहीं गया। बाहर ही घूमता-फिरता रहता है और लोगों को बेवकूफ बनाकर ठगी करता रहता है।

झुंझुनूं में जुआ खेलते चार जने गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। कोतवाली पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक काम्प्लेक्स में दो हजार रूपए दिन का किराया लेकर चल रहे जुआघर को पकड़ा है। साथ ही चार आरोपियों को रंगे हाथ जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया है। वहीं फ्लेट के मालिक इमरान खान पुत्र इकराम काजी को भी जुआघर चलाने के मामले में आरोपी मानते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी है।

शहर कोतवाल श्रवण कुमार ने बताया कि कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रोड नंबर तीन पर स्थित जन्नत कॉम्पलेक्स के दूसरे फ्लोर के फ्लेट नंबर चार में कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपए का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। जहां चार व्यक्ति एकराय होकर अनाधिकृत रूप से जुआ खेलते पाए गए। पुलिस ने मौके से जुआ सामग्री एवं 46,040 रुपए नकद जब्त कर शहर के वार्ड नंबर 32 पीएनबी बैंक वाली गली रोड नंबर एक निवासी गुलाब पुत्र प्रभातीलाल कुमावत, मोहल्ला खोरा निवासी साजिद अली पुत्र कासम अली, फुटला बाजार निवासी साबिर अहमद पुत्र गुलाम हुसैन तथा गुढ़ा मोड़ रहमानिया मस्जिद के पास रहने वाले 60 वर्षीय अब्दुल रजाक पुत्र गन्नी खान जाति क्यामखानी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि यह फ्लैट इमरान खान का है, जिसकी अनुमति से वे पिछले 8-10 दिनों से यहां जुआ खेल रहे थे और इसके बदले प्रतिदिन 2000 रुपए किराया दिया जा रहा था।

तीन दलित प्रोफेसरों को एपीओ करने पर नाराजगी

अलवर। प्रदेश में एक दलित डिप्टी सीएम, दलित आयुक्त है, फिर भी एक ही कॉलेज के तीन दलित प्रोफेसरों को एपीओ करने को लेकर नाराजगी जताई है। जानकारी के अनुसार बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय अलवर में पदस्थापित डॉ. अशोक कुमार खटीक आचार्य भूगोल, डॉ.महेश चंद गोठवाल सहआचार्य लोक प्रशासन एवं सुंदर लाल बसवाल सहायक आचार्य इतिहास को उप शासन सचिव प्रथम के 19.12.2025 के आदेश के तहत पदस्थापन की प्रतीक्षा में अर्थात एपीओ किया गया है, जिसके लिए कोई भी कारण अंकित नहीं किया गया है। तीनों प्रोफेसर अनुसूचित जाति से हैं और अध्ययन, अध्यापन, सहशैक्षिणक गतिविधियां तथा प्राचार्य द्वारा समय समय पर प्रदत्त कार्य कुशलता के साथ संपादित करते रहे हैं। डॉ. अशोक कुमार खटीक 90000 पुस्तकों वाले महाविद्यालय पुस्तकालय के प्रभारी है। पुस्तकालय अध्यक्ष की कमी के कारण पुस्तकालय का संचालन कर रहे हैं। डॉ. महेश चंद्र गोठवाल, लोक प्रशासन विभाग में एकमात्र शिक्षक हैं। शोध कार्य भी करवाते हैं। सुंदरलाल बसवाल बहुत ही सक्रिय एवं विद्यार्थियों में लोकप्रिय शिक्षक है। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी एवं कई वर्षों से अनुशासन समिति के सदस्य रहे हैं। सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं।

सड़क हादसे में दो चचेरे भाइयों की मौत के बाद परिजनों में आक्रोश

मृतकों के फाइल फोटो।

- **परिजन का आरोप है कि पुलिस जीप ने बाइक सवार दो चचेरे भाइयों को टक्कर मार दी थी**
- **पुलिस नीलगाय से टकराने से हादसा होने की बात कह रही है, विजय मंदिर थाना एसएचओ प्रेमलता वर्मा मौके पर पहुंची और परिजनों से समझाइश की**

अलवर, (निसं)। अलवर में सड़क हादसे में दो चचेरे भाइयों की मौत के बाद मामला तूल पकड़ता ही जा रहा है। सोमवार को जिला अस्पताल में मृतकों के परिजन और पुलिस आमने-सामने हो गए। परिजनों और ग्रामीणों ने शवों का पोस्टमॉर्टम कराने से मना कर दिया। परिजनों का आरोप है कि यह हादसा नीलगाय से नहीं, बल्कि विजय मंदिर थाना पुलिस की 112 गाड़ी की टक्कर से हुआ है, जबकि पुलिस नीलगाय से टकराने से हादसा होने की बात कह रही है। इस पूरे मामले में विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी पुलिस पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन ड्राइवर को बचाने में लगा है। हालांकि, विजय मंदिर थाना एसएचओ प्रेमलता वर्मा मौके पर पहुंची और परिजनों समझाइश की, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस की 112 गाड़ी और ड्राइवर के खिलाफ शिकायत दे दी है। जिसकी जांच जारी है।

जानकारी के अनुसार घटना रविवार शाम सात बजे के आसपास जटियाना गांव के पास बहरोड रोड स्थित मोटल होटल के सामने की है। मृतक रामधन (32) निवासी अमृतबास और उसके चचेरे भाई शेर सिंह (33) के शव अभी तक जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखे हुए हैं। हालांकि, थानाधिकारी की समझाइश के बाद पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू होने से पहले ही रोक दी गई।

सीओ ग्रामीण शिवानी शर्मा भी मौके पर पहुंची। परिवार की मांग है कि पहले पुलिस की गाड़ी और ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके कॉपी दे, फिर पोस्टमॉर्टम करवाएंगे। हालांकि, पुलिस ने शिकायत की कॉपी एक कॉन्स्टेबल को देकर थाने भेज दिया है। शिकायत दर्ज होने के बाद फिर से पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू होगी। मृतकों के परिजन यादराम ने बताया कि पुलिस ने रात में सूचना दी कि नीलगाय से टक्कर के कारण दोनों की मौत हुई है। इसके बाद जब परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे तो वहां मौजूद तूड़ी से भरे ट्रैक्टर चालकों और आसपास के लोगों ने बताया कि बाइक को तेज रफ्तार में आ रही पुलिस की 112 गाड़ी ने टक्कर मारी थी। लोगों का कहना है कि टक्कर के बाद पुलिस जीप 112 के ड्राइवर ने थाने में सूचना दी और दूसरी पुलिस की गाड़ी बुलाकर गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस किसी अन्य वाहन से हादसा होने का उन पर दबाव बना रही है। पुलिस उन्हें बीमा क्लेम और परिवार को फायदा मिलने की बात कह रही है, ताकि पुलिस जीप 112 के ड्राइवर को बचा सके। हालांकि, विजय मंदिर थाने के एएसआई निहाल सिंह ने मीडिया से बातचीत के दौरान नीलगाय से हादसा होने की बात कही है।

घने कोहरे में लिपटा सरवाड़ शहर

सरवाड़, (निसं)। शहर साहित उपखंड क्षेत्र में सर्दी के मौसम में पहली बार घना कोहरा छाने से सर्दी का असर देखने को मिला। वहीं कोहरे से खेतों में खड़ी फसलों को काफी फायदा साबित होगा। कोहरे के कारण वाहन चालकों व आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।सोमवार को सुबह से ही उपखंड क्षेत्र में घने कोहरे की चादर में लिपटा हुआ नजर आया। वाहन चालकों को कोहरे के कारण हेडलाइट जलाकर रखना पड़ा। घने कोहरे के कारण खेतों में खड़ी फसल सरसों गेहूं चने साहित अन्य फसलों को इसका फायदा पहुंचेगा। भयंकर सर्दी ने आमजन को ठिठुराकर रख दिया इस दौरान अजमेर कोटा स्टेट हाईवे व देवली कोटा स्टेट हाईवे पर दूर-दूर तक सड़क नहीं दिखाई दी।

शिल्पग्राम उत्सव : विभिन्न राज्यों के लोक गायन और लोक नृत्यों ने धूम मचाई

शिल्पग्राम उत्सव में मुक्ताकाशी मंच पर विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने लोक गायन और लोक नृत्यों की प्रस्तुति दी।

- **मुक्ताकाशी मंच पर गोवा, राजस्थान, ओडिशा, महाराष्ट्र की लोक संस्कृति हुई साकार**
- **मराठी लावणी और कथक के फ्यूजन ने धूम मचाई, कोरियोग्राफिक डांस में दिखा लोक नृत्यों का अनूठा संगम**

उदयपुर, (निसं)। 'लोक के रंग-लोक के संग' थीम को सोमवार को मुक्ताकाशी मंच पर विभिन्न राज्यों के लोक गायन और लोक नृत्यों ने साकार किया। इन प्रस्तुतियों को देखकर दर्शक मंत्र मुग्ध हो गए। वहीं, उत्सव के दौरान शिल्पग्राम के विभिन्न थड़ों पर भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां सुबह से शाम तक दर्शकों का मन मोह रही हैं। इसके साथ ही बंजारा मंच पर 'हिवड़ा री हूक' में जहां मेलार्थियों ने खुद प्रस्तुतियां देकर लुत्फ उठाया, वहीं बीच-बीच में संचालक सौरभ भट्ट ने प्रश्नोत्तरी चलाकर प्रोग्राम को और रोचक बना दिया।

मुक्ता काशी मंच पर सोमवार शाम मुख्य कार्यक्रम में राजस्थान के मांगणियार गायन और सफेद आंगी गेर के साथ ही डेरू डांस ने सामयीन का दिल जीता, वहीं इस प्रोग्राम को ओडिशा के संभलपुरी डांस ने द्विगुणित बना दिया। इसके साथ ही गोवा के घूमट गायन ने मंच पर गोवा का माहौल बना दिया। इस शाम में लोक संस्कृति के अनूठे संगम को पेश कर कोरियोग्राफिक प्रस्तुति ने खूब वाहवाही लूटी। इसमें गोवा के देखनी व घोड़े मोदनी, मणिपुर के लैहारोबा, कश्मीर के रौफ, राजस्थान के लाल आंगी व चरी, कर्नाटक के पूजा कुनिता व ढालू कुनिता, महाराष्ट्र के सोंगी मुखौटा, पंजाब के लुड्डी तथा गुजरात के तलवार रास व राठवा नृत्यों का महासंगम दिखा। इस प्रस्तुति को तराशा दिल्ली के प्रसिद्ध कोरियोग्राफर सुशील शर्मा ने। इसे देख दर्शक सम्मोहित से हो गए।

कार्यक्रम में श्रद्धा सतवीडकर एंड ग्रुप के मराठी लावणी लोक नृत्य के साथ नितिन कुमार एंड ग्रुप के कथक के खूबसूरत फ्यूजन में क्लासिकल और फोक के अनूठे संगम ने दर्शकों का मन मोह लिया। इससे पूर्व, डॉ. प्रेम भंडारी के निर्देशन में राजस्थानी लोक गीतों पर आधारित कर्णप्रिय मेडले की प्रस्तुती ने श्रोताओं की खूब सराहना पाई। इस प्रस्तुती में खास बात कलाकारों ने बिना लोक गायन की मूल शैली को बदले खूबसरती से इसमें क्लासिकल पुट दिया, जिस पर संगीत प्रेमी श्रोता वाहवाही कर उठे। शाम के मुख्य कार्यक्रम के अलावा शिल्पग्राम में विभिन्न थड़ों पर भी लोकरंजक प्रस्तुतियां सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक निरंतर जारी हैं। इनमें मुख्य द्वारा के पास तुतारी, आंगन में बीन जोगी, कच्ची घोड़ी और बाजीगर, देवरा में गोंधल, बन्नी पर मांगणियार, सम पर घूमट, दर्पण फूड कोर्ट के पास घूमर और चकरी, भूजोड़ी पर चकरी, बड़ा बाजार नुक्कड़ पर पोवाड़ा, गोवा ग्रामीण पर कठपुतली, दर्पण द्वार पर सुंदरी और बड़ा बाजार में मसक वादन की प्रस्तुतियां और विभिन्न मॉडल्स का सुंदर प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके अलावा प्रांगण में बहरूपिया विभिन्न स्थानों पर घूमते हुए मेलार्थियों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है।

सांवलिया सेठ के एक माह के भंडार से 29.32 करोड़ का चढ़ावा मिला

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में गत 18 दिसंबर चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थित में चौथे चरणों में संपन्न हुई।

मंदिर अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव ने बताया कि चौथे चरण में हुई भंडार गिनती में 49 लाख 84 हजार 395 रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व तीन चरणों में हुई गिनती में 22 करोड़ 30 लाख 85 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए थे। उन्होंने बताया कि चारों चरणों की गिनती को मिलाकर कुल 22 करोड़ 80 लाख 69 हजार 395 रुपए की नगद प्राप्त हुए। अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि इसके अलावा भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल भी किया गया। भंडार से 1 किलो 250 ग्राम सोना व 44 किलो 400 ग्राम चांदी प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि विभिन्न भक्तों द्वारा मंदिर कार्यालय में 535 ग्राम 910 मिली ग्राम सोना व 55 किलो 444 ग्राम चांदी भेंट स्वरूप जमा हुई। अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि इसके अलावा विभिन्न भक्तों ने विभिन्न स्थानों से मनी ऑर्डर भेजकर,ऑनलाइन द्वारा एवं स्वयं उपस्थित होकर मंदिर कार्यालय में 6 करोड़ 51 लाख 35 हजार 525 रुपए भेंट जमा किए। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के एक माह के भंडार एवं भेंट कक्ष कार्यालय से कुल 29 करोड़ 32 लाख 4 हजार 920 रुपए का नगद चढ़ावा मिला। भंडार गिनती में मंदिर अध्यक्ष वैष्णव, मंदिर बोर्ड सदस्य सहित मंदिर कर्मचारी एवं बैंक कर्मी उपस्थित थे।

भंडार गिनती में मंदिर अध्यक्ष, मंदिर बोर्ड सदस्य सहित मंदिर कर्मचारी एवं बैंक कर्मी उपस्थित थे।